

आनलाईन कक्षा में सबको स्वागत कक्षा -६

हिन्दी
पाठ- 6
नमक का मोल

CHANGING YOUR TOMORROW

एक दिन उन्होंने राजा को खाने पर बुलाया। राजकुमारी ने अपने पिता को बहुत प्यार से बिठाया। राजा अपनी बेटी को पहचान नहीं पाए, क्योंकि राजकुमारी के चेहरे पर घूँघट था। राजकुमारी ने राजा की थाली में तरह-तरह के पकवान परोसे। जब राजा खाना खाने लगे, तो उन्होंने देखा कि सारा खाना बिना नमक का बना हुआ था।

यह देखकर राजा को बहुत गुस्सा आया। वह गुस्से से बोले, "क्या तुमने मेरी बेइज्जती करने के लिए मुझे यहाँ बुलाया है? यह कैसा मज़ाक है? बिना नमक का खाना भला कौन खा सकता है?"

राजकुमारी अपने घूँघट उठाकर राजा से बोली, "तो आपको नमक बहुत पसंद है? हीरे-मोती और सोने से भी ज़्यादा?"

अब राजा को समझ में आया कि नमक की कीमत तो हीरे-मोती से भी ज़्यादा है। उसने अपने व्यवहार के लिए अपनी बेटी से माफ़ी माँगी। उसने अपना सारा राज्य बेटी और दामाद को दे दिया। अब उसे नमक का मोल समझ में आ गया था।



शब्दार्थ-

पकवान-विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट खाद्य पदार्थ

गुस्सा- क्रोध

बेइज्जती-अपमान

मज़ाक-परिहास

अभ्यास के लिए



मौखिक

- कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए—
 - (क) राजा अपनी बेटियों से क्या जानना चाहते थे?
 - (ख) किस बेटी की बात सुनकर राजा नाराज़ हो गए थे?
 - (ग) राजा ने तीसरी बेटी को क्या सज़ा दी थी?
 - (घ) भिखारी से शादी करके राजकुमारी ने क्या किया?

1. (क) राजा अपनी तीनों बेटियों से यह जानना चाहते थे कि वे अपने पिता को कितना प्यार करती हैं।
- (ख) राजा अपनी तीसरी बेटी के उत्तर को सुनकर नाराज़ हो गए क्योंकि उसने नमक जितना प्यार करने का इज़हार अपने पिता के प्रति किया था।
- (ग) राजा ने अपनी तीसरी बेटी का विवाह भिखारी से करवाकर सज़ा दी।
- (घ) भिखारी से शादी करके राजकुमारी ने अपनी समझदारी और बुद्धिमत्ता का परिचय देते हुए अपने गहने बेचकर एक ज़मीन का टुकड़ा खरीदा। अपने पति के साथ खूब मेहनत की जिसके परिणामस्वरूप फ़सल अच्छी हुई और शीघ्र ही फसल को बेचकर गाँव की सारी ज़मीन को खरीदकर धनी बन गए और विशाल महल का निर्माण भी कर लिया। वे दोनों राजा-रानी की तरह सुखमय जीवन व्यतीत करने लगे।

THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL GROUP